



२७ कता ॥ चदन उदित नील कर्ण वला। यीन वसन वन
माली। जाले यल त्रिप्र निरुक्त म विनडा कुयूरा

मिहि जाली॥ हनि त्रिहम उवा व निरुक्तः विलास
निविलस निरुक्त नीयं प्रताम॥ ॥ ॥ वान यया धन
ताम हयं न हनि य त्रिप्र कृष्ट ताशा॥ जम य व य न य
या त्रिका त्रिद्विजि न य क म जार्ग ॥ ॥ ॥ का विरिल

सुखिला लविलायः सुखल न नित प्रनाजं ॥ यथायति
प्रयवयु लयिकं प्रयु सुद न व द न सु सा रं ॥ का
प्रिकया लन लमिलिताल विन किमयि शु ति सुल ॥
जायु कय सुनित सुवती सुख द प्रित सुल के प्र नू कल ॥

कली कला कुरु कतिन का चिद दय प्रनाज ल कल ॥ प्र
लव सुल कल गतः मित्र का व के न ल द कल ॥ का
कन ल ल गल गल व लया व निल कली न क ल सु न व ॥
गसु प्र सु सुद न यय गल व द प्रि ल य व ति ॥ य
सु ॥ ॥ शु भु निका प्र यि क सु निका प्र यि का

मथितमयतिताम॥सञ्जितिवञ्जितिवान्नय
माहवःप्रयमाप्रनूजायुतिवाप्र॥॥॥अनूपदं
वह्नितमिदमूदयतिकञ्जवकलितहृष्टावृ
ज्ञानविदितनयतिज्ञानवित्तमिज्ञानविदित
अह्य॥॥॥अनूपदं॥नामय॥॥नित्तवन्न

तालिनीः ह रुग दी व द म नी प्र दि (अ क तां ह म
 व ल य ॥ १ ॥ रु ग रु ग ल व रु (अ दा म व रु
 ला ति म रु क रु नः रु ग रु ली हा रु ॥ २ ॥ रु हा रु
 रु व रु नः रु हा रु ल वा म रु का व रु ड नः रु गी



टि न प्रनी ग (७) ॥ ५ ॥ विद्या मुक दाना
लोपि वा ज न व द पि प्र न म स व का वि
ॐ ॥ न व ग गि न ज दि वा म ह वा नि न व रू
म स व का वि न प्र न पि न पि वा नि स मानी
ह न म दि न य न हा यि ॥ ॥ का क म सा न

का क य पि ना कू उ न य रू य का क यि य
न यू न न क वा न य रू का य उ का य उ हा यि
॥ ५ ॥ का व न रि उ यः सा न लो उ य व दि
नी ला उ य ष ना सा मी य ज उ य दू य

जातिः यत्र यत्र विज्ञेय आस ॥ ३ ॥ द हृदि
वैद्यसहप्रित्वा यमसूत्रजवैद्यमायी, याव
कृत्स्नसिद्धिनिग्राजा यत्र वक्ष्यते नहं
सा जायते ॥ ४ ॥ कदयकविप्रसूनल यानि

जा सकर्षे श्रीहायिमाताजिनावहृत्
हृदयारवररतिनामहृत् ॥ ५ ॥ ॥
नकमात्र ॥ दयनदयकनय. जानयाथा
कनय. यथेनगानसुहृलानासमि

विनिहयल या गा विविह नयन या जव
निद विह लो मा मा ॥ १ ॥ व व व सदा वि
व व्या स न स अति व न विह ति न व य
द व ज व र व क स न ग व ड स न स न व
दू य ज य न स हा य य द ॥ २ ॥ गं ग म

या ज दू वि वा न नो दू क कं डो न ग म
ऊ गु पि या का सा द वा न ति ज हि ज वि
या ति द ज दू ति स थ अ य थ य मा म
ल का र वा वू ति वा न ॥ ३ ॥ क ग ग य द न